बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा

सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - १

सुबह ९:०० से १२:००] (रविवार, १७ जुलाई, २००५) [कुल अंक : १००

सूचना : प्रश्न की दाहिनी ओर उसके अंक दर्शाए गए हैं ।

(विभाग - १ : श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना)

प्र. १ निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषय के संदर्भ में शास्त्र के तीन-तीन प्रमाण दीजिए । ६

१. श्रीजीमहाराज सर्व कर्ताहर्ता है ।
२. भगवान अक्षरधाम में और पृथ्वी के उपर साकार हैं ।
३. अक्षरब्रह्म एक और अद्वितीय ।
४. गुणातीत संत के लक्षण ।

प्र. २ प्रमाण, सिद्धांत अथवा कडी पर से विषय का शीर्षक दीजिए । ५

१. ''मारुं धाम छे रे, अक्षर अमृत जेनुं नाम ।
तेमां हुं रहुं रे, द्विभुज दिव्य सदा साकार ॥''
२. ''जेह धामने पामीने प्राणी, पाछुं पडवानुं नथी रे,
सर्वे पर छे सुखनी खाणी, केवुं कहीए तेने कथी रे.''
३. ''एकमेवाद्वितीयं ब्रह्म ।''
४. ''ए ज ज्ञानी ए ज तत्त्ववेत्ता, जेणे प्रगट प्रभु ने पेखिया ।''
५. ''वंदुं गुणातीतानंद स्वामी, जेही पर रीझे अंतर्यामी ।''

प्र. ३ निम्न विधानों के विकल्पों में से सही विकल्प लिखिए । ४

नोंध : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिए जाएंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. निष्कुलानंद स्वामी रचित पंक्तियाँ कौन-सी है ?
(अ) ''जेवा ए संत कहिए शिरोमणि, एवा हरि सौ शिरमोड ।''
(ब) ''आ भवसागर पार उतार, हरि के हरि को दास ।''

(क) ''बेसे राजा गादी पर कोय रे, छोड़े बंधिवानना बंध सोय रे ।''
(ड) ''परोक्षथी भव तणो पार आवे नहि, वेदवेदांत कहे सत्य वाणी ।''

२. श्रीजीमहाराज सर्वोपरि ।
(अ) ग. अं. ३८ (ब) ग. म. १६
(क) ग. म. १३ (ड) ग. अं. २

प्र. ४ निम्न में से किन्हीं एक का वर्णन करके उसका सिद्धांत लिखें । (बारह पंक्ति में) ४

१. चैत्री पूर्णिमा के उत्सव पर वड़ताल में गुणातीतानंद स्वामी ने अपनी पहचान बताई ।
२. नरक के कुंड मुक्त करवाए ।
३. दादा खाचर के मकान के छत की खपेरेलों का ध्यान करो ।

प्र. ५ किन्हीं दो के बारे में विवरण कीजिए । (बारह पंक्ति में) ८

१. भगवान और सत्पुरुष में मनुष्यभाव देखने से हानियाँ ।
२. श्रीजीमहाराज सर्वोपरि - गुणातीतानंद स्वामी के अनुसार ।
३. गुणातीत संत की महिमा - परमहंसों के पदों में ।
४. ब्रह्मरूप होने की आवश्यकता ।

प्र. ६ निम्न में से किन्हीं दो के बारे में कारण लिखें । (बारह पंक्ति में) ८

१. भगवान साकार होते हुए भी लोग उन्हें निराकार मानते हैं ।
२. श्रीजीमहाराज आत्मानंद स्वामी को अक्षरधाम ले गये ।
३. शास्त्रीजी महाराज भोयका मालजी सोनी से मिलने गये ।
४. रावण या शूर्पणखा जैसे भक्त नहीं होना चाहिए, लेकिन विभीषण जैसा भक्त होना चाहिए ।

प्र. ७ उपासना में क्या समझना ? और क्या न समझना ? उसके आधार से निम्न विधानों की पूर्ति कीजिए । ८

(उपासना में क्या समझना ?)

१. जीव ..... अनादि तत्त्व है ।
२. धाम में जो ..... वही ये श्रीजीमहाराज है ।
३. पुरुषोत्तम नारायण की ..... अद्वितीय है ।
४. हमारी उपासना ..... दो चरण की ही है ।
५. इस लोक में से ..... प्रकट हैं ।

(उपासना में क्या नहीं समझना ?)

१. अकेले अक्षरब्रह्म ..... उनमें ही है, ऐसा न समझे ।

२. सद्‌गुरु गुणातीतानंद स्वामी ..... कह सकते हैं, ऐसा नहीं समझना चाहिए ।

३. प्रगट ब्रह्मस्वरूप ..... बन सकते हैं, ऐसा नहीं समझना ।

प्र. ८ प्रगट को पहचानना वही ज्ञान । ५

(विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग- ३ तथा युगविभूति प्रमुखस्वामी महाराज)

प्र. ९ निम्न कथन कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । ६

१. ''आपने यह क्या चरित्र किया ?''

२. ''तेरे जीव के सामने देखता हूँ तो अभी तो तेरा आधा ही सत्संग रह गया है ।''

३. ''आज से जूते - स्लीपर जो ठीक लगे वह पहनना शुरू करो ।''

प्र. १० निम्न में से किन्हीं दो के बारे में कारण लिखें । (बारह पंक्ति में) ६

१. रघुवीरजी महाराज ने कहा, ''गुणातीतानंद स्वामी ही बात करेंगे ।''

२. श्रीजीमहाराज ने ब्रह्मचारी को बुलवाया और पर्वतभाई को भोजन करवाया ।

३. निष्कुलानंद स्वामी को रामानंद स्वामी ने बताई हुई श्रीजीमहाराज की महिमा की बातें उनके स्मरण में उभर उठी ।

४. दार-ए-सलाम हवाईअड्डे के अधिकारियों ने खेद व्यक्त किया और स्वामीश्री के चरणों में झूक गए ।

प्र. ११ निम्न विषय पर मुद्देसर विवरण लिखिए । (बारह पंक्ति में) ८

१. डेविड का दिव्य अनुभव ।

अथवा

२०० सालों की शत्रुता एवं ईर्ष्याग्नि का क्षणमात्र में शमन ।

२. गुणातीतानंद स्वामी और गोपालानंद स्वामी का परस्पर प्रेम और महिमा ।

अथवा

कुशलकुंवरबा की भक्ति ।

प्र. १२ निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । ६

१. सवा वर्ष के शिवलाल को देखकर श्रीजीमहाराज ने क्या कहाँ ?

२. रघुवीरजी महाराज कितने वर्ष आचार्य पद पर रहे ? फिर किसे उत्तराधिकारी चुना ?

३. अनिर्देश से आपका क्या मतलब है ?

४. पर्वतभाई गन्ने के टुकडों को खाने से क्यों मना कर रहे थे ?

५. कवि दलपतराम ने मुक्तानंद स्वामी की वाणी को क्या उपमा दी है ?

६. प्रमुखस्वामी महाराज का विश्व के कौन-सी कौन-सी पार्लामेंन्ट में सम्मान हुआ है ।

प्र. १३ निम्न विधानों के विकल्पों में से सही विकल्प लिखिए । ६

नोंध : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिए जाएंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. सच्चे गुरु की खोज में मुकुंददास को कौन से गुरु मिले ?

(अ) रामदास

(ब) द्वारकादास

(क) कल्याणदास

(ड) तुलसीदास

२. लालजी भगत महाराज के साथ कच्छ - भुज जाते हुए किससे किससे मिले ?

(अ) भिक्षुक (ब) सेठ

(क) संतपुरुष (ड) चोर

२. प्रमुखस्वामी महाराज की प्रशंसा के प्रतिभाव किसने किसने दिए ?

(अ) श्री चिन्ना जिअर स्वामी

(ब) स्वामी आत्मानंदजी

(क) प्रो. यारोस्लेव फ्रिच

(ड) डॉ. कुरियन

(विभाग - ३ : निबन्ध)

प्र. १४ निम्नलिखित में से किसी भी एक विषय पर करीब ६० पंक्ति में निबंध लिखिए । २०

१. नीलकंठ की हिमालय यात्रा ।

२. अहं-ममत्व के बिना सेवा : विशल्यकरणी औषधि ।

३. साधना मार्ग में संयम - नियम की अनिवार्यता (जरूरत) ।

❋ ❋ ❋